राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 12 | मुंबई : बुधवार 21 जनवरी 2026 से 27 जनवरी 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

महिम में ट्रैफिक पुलिस की नाकामी उजागर

तुलसी पाइप रोड-रहेजा फ्लाईओवर पर खड़े ट्रक और होटल-बार के बाहर अवैध पार्किंग से यातायात बेहाल

मुंबई : मुंबई के महिम इलाके में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आ रही है। तुलसी पाइप रोड से लेकर रहेजा फ्लाईओवर तक भारी ट्रकों का सड़क पर खड़ा रहना और होटल-बार के बाहर बेतरतीब तरीके से पार्क की गई कारें रोजाना ट्रैफिक जाम का कारण बन रही हैं।

सबसे हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी के बावजूद खुलेआम हो रहा है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, तुलसी पाइप रोड एक व्यस्त और संकरा मार्ग है, जहां ट्रकों का खड़ा रहना नियमों का सीधा उल्लंघन है। ट्रक सड़क पर खड़े होने से एक लेन पूरी तरह जाम हो जाती है, जिससे दोपहिया, ऑटो और निजी वाहन घंटों फँसे रहते हैं। रहेजा फ्लाईओवर की ओर जाने वाला ट्रैफिक भी बुरी तरह प्रभावित होता है, जिससे पीक ऑवर में स्थिति और भयावह हो जाती है।

होटल-बार के बाहर नियमों की धज्जियाँ

समस्या यहीं खत्म नहीं होती। सड़क किनारे स्थित होटल और बार के बाहर लग्जरी कारों की अवैध पार्किंग आम बात हो चुकी है। नो-पार्किंग जोन में खड़ी इन गाड़ियों पर न तो चालान काटे जाते हैं और न ही टोइंग की कोई कार्रवाई होती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आम नागरिक की गाड़ी जरा सी गलती पर उठा ली जाती है, लेकिन होटल-बार के बाहर खड़ी कारों पर ट्रैफिक पुलिस की नजर ही नहीं पड़ती।

जनता का सवाल - जिम्मेदार कौन?

रोजाना जाम से परेशान नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि आखिर महिम ट्रैफिक पुलिस की भूमिका क्या है? क्या नियम सिर्फ आम लोगों के लिए हैं? ट्रकों को सड़क पर खड़ा रहने की इजाजत और होटल-बार को अवैध पार्किंग की खुली छूट क्या किसी मिलीभगत की ओर इशारा नहीं करती?

समाधान की मांग

<< स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि तुलसी पाइप रोड और रहेजा फ्लाईओवर के आसपास ट्रकों का खड़ा रहना तुरंत रोका जाए

<< होटल और बार के बाहर हो रही अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई हो

<< नियमित पेट्रोलिंग और टोइंग व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए

<< अगर महिम ट्रैफिक पुलिस ने अब भी आंखें मूंदे रखीं, तो यह इलाका स्थायी ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था का प्रतीक बन जाएगा। जनता अब सिर्फ आश्वासन नहीं, जमीनी कार्रवाई चाहती है।

मुंबई : माहिम कपड़ बाजार में सनसनी: केमिस्ट पर एयर गन तानने वाला आरोपी पुलिस हिरासत में

मुंबई : माहिम स्थित कपड़ा बाजार क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सनसनीखेज घटना सामने आई। आरोपी सौरभ कुमार सिंह (उम्र 35) ने चेहरे पर रुमाल बांधकर प्लस मेडिकल में घुसकर केमिस्ट पर एयर गन तान दी। हालांकि केमिस्ट ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी की धमकी के आगे झुकने से इनकार किया और उसे दुकान से खदेड़ दिया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह वारदात पूर्व वैमनस्य के चलते की गई थी। आरोपी ने पुराने विवाद का बदला लेने के इरादे से केमिस्ट को डराने की कोशिश की थी। घटना की शिकायत के बाद माहिम पुलिस स्टेशन में सौरभ कुमार सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है और वारदात में इस्तेमाल की गई एयर गन भी जब्त कर ली है। मामले की आगे की जांच माहिम पुलिस कर रही है।

मुंबई बीएमसी चुनाव 2026 : माहिम वार्ड 190 में शीतल गंभीर की जीत बरकरार,

121 वोटों से मिली सफलता जानिए दूसरे उम्मीदवारो को कितना मिला

मुंबई : मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 में महिम के वार्ड नंबर 190 का परिणाम बेहद रोचक और काँटे की टक्कर वाला रहा। इस वार्ड से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार शीतल सुरेश गंभीर ने जीत दर्ज की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा शिवाजी पार्क में आयोजित रैली में नाम लिए जाने के कारण यह सीट पहले से ही राजनीतिक रूप से काफी चर्चा में रही। मतगणना के दौरान जब जीत का अंतर बेहद कम सामने आया शीतल गंभीर की जीत 121 मतों के अंतर से बरकरार रही। अनतिम परिणामों के अनुसार शीतल सुरेश गंभीर (भाजपा) को 11,468 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी वैशाली राजेश पाटणकर (शिवसेना - उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) को 11,347 वोट प्राप्त हुए। दोनों के बीच मात्र 121 वोटों का अंतर रहा, जिससे यह सीट बीएमसी चुनाव 2026 की सबसे करीबी सीटों में शामिल हो गई।

अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में इंडियन नेशनल कांग्रेस के यादव दयाशंकर रामगोपाल को 2,208 वोट मिले। अपक्ष उम्मीदवार फर्नांडीस रोनाल्ड रीची को 492 वोट प्राप्त हुए, जबकि आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार प्रणाली गिरीश राऊत को 412 वोट मिले। इसके अलावा अपक्ष उम्मीदवारों में हुसैना मुबारक शाह को 121 वोट, अनिलकुमार गुप्ता को 107 वोट, फारूक सलीम सैयद को 61 वोट, हाफिज सैयद को 33 वोट तथा मनोहर बबन डोंगरे (बालराज सेना) को 39 वोट प्राप्त हुए। अखिल भारत हिंदू महासभा के रामनाथ रामलाल कोरी को 79 वोट मिले, जबकि बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी के शेख यास्मीन मो. हनीफ को 24 वोट प्राप्त हुए। इस वार्ड में नोटा के पक्ष में भी 397 मतदाताओं ने मतदान किया, जो चुनाव में मतदाताओं की जागरूक भागीदारी को दर्शाता है। कुल मिलाकर वार्ड 190 का चुनाव परिणाम बेहद करीबी, चर्चित और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। जीत के बाद शीतल गंभीर ने कहा कि वे इस जीत को महिम की जनता के विश्वास की जीत मानती हैं और वार्ड 190 के विकास, नागरिक सुविधाओं, साफ-सफाई और बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता देंगी। विपक्षी उम्मीदवारों ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताते हुए जनता के फैसले का सम्मान किया।

मुंबई : बीएमसी चुनाव परिणाम 2026: माहिम के वार्ड 182 से शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के मिलिंद वैद्य की चौथी लगातार जीत

मुंबई : मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 में वार्ड नंबर 182 से शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के उम्मीदवार मिलिंद दत्तात्रेय वैद्य ने बड़ी जीत दर्ज की है। इस वार्ड में मतदाताओं ने स्पष्ट जनादेश देते हुए ठाकरे गुट के उम्मीदवार पर भरोसा जताया। मतगणना के दौरान शुरूआती राउंड से ही मिलिंद वैद्य लगातार बढ़त बनाए हुए थे। जैसे-जैसे सभी मतदान केंद्रों के परिणाम सामने आते गए, उनकी जीत और मजबूत होती चली गई। चुनाव अधिकारियों द्वारा अंतिम परिणाम घोषित किए जाने के बाद उन्हें विजयी घोषित किया गया।

अंतिम आंकड़ों के अनुसार मिलिंद वैद्यया (शिवसेना-यूबीटी) को 14,248 वोट प्राप्त हुए। वहीं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राजन सुरेश पारकर को 4,394 वोट मिले। इस प्रकार दोनों के बीच 9,854 वोटों का बड़ा अंतर रहा, जिसे इस वार्ड में निर्णायक जीत माना जा रहा है। अन्य उम्मीदवारों में महेश सुशीला धनमेहेर को 786 वोट मिले, जबकि वैध मिलिंद को 269 वोट प्राप्त हुए। इसके अलावा नोटा के पक्ष में भी 522 मतदाताओं ने मतदान किया, जो चुनाव में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

कुल मिलाकर वार्ड 182 का चुनाव परिणाम एकतरफा और स्पष्ट जनादेश के रूप में सामने आया है। यह जीत शिवसेना (ठाकरे गुट) के लिए राजनीतिक रूप से अहम मानी जा रही है, जबकि भाजपा को इस वार्ड में अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। जीत के बाद मिलिंद दत्तात्रेय वैद्य ने कहा कि यह जीत वार्ड 182 की जनता के विश्वास की जीत है और वे क्षेत्र के विकास, नागरिक सुविधाओं, साफ-सफाई और बुनियादी ढांचे पर प्राथमिकता के साथ काम करेंगे।

सदन में दिए गए आश्वासनों की 90 दिनों में पूर्ति अनिवार्य

मुंबई : संसदीय कार्य विभाग ने 1998 से लागू पुराने नियमों में बदलाव करते हुए अब मंत्रालय के विभागों के लिए संसदीय प्रश्नों के उत्तर और आश्वासनों की पूर्ति हेतु समय-सीमा तय कर दी है। शासन के परिपत्रानुसार विधानमंडल सचिवालय से प्राप्त प्रत्येक संसदीय आयुध पर ऑनलाइन और ऑफलाइन, निर्धारित नमूने में और तय समय-सीमा के भीतर जानकारी देना आवश्यक होगा। प्रश्नों की स्वीकृति पर टिप्पणी नहीं करनी होगी, सदस्यों के बारे में आपत्तिजनक भाषा से बचना होगा तथा ध्यानाकर्षण सूचनाओं पर दिए जाने वाले निवेदनों में अनुचित टिप्पणियां नहीं की जाएंगी।

मुंबई : उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान; भाजपा नंबर एक पार्टी है - एकनाथ शिंदे

मुंबई : बीएमसी चुनाव के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि भाजपा नंबर एक पार्टी है. बालासाहेब ठाकरे के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से शिवसेना कम समय में आगे बढ़कर एक मजबूत पार्टी बनी है. एकनाथ शिंदे ने कहा कि अब तक हुए चुनावों में हमारी पार्टी नंबर दो स्थान पर रही है. यह आने वाले चुनावों की भूमिका है. अब चुने गए नगरसेवकों को अपने-अपने प्रभाग की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए और जनता के बीच जाकर काम करना चाहिए.

चुने हुए पार्षदों से क्या बोले एकनाथ शिंदे?

चुने हुए पार्षदों को नसीहत देते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि कहीं भी कोई गलती या दाग न लगे, इसका ध्यान रखें, क्योंकि आपके व्यवहार और बोलचाल पर नागरिकों की नजर रहती है. इस दौरान उन्होंने कि इस चुनाव में 'लाडकी बहिन' योजना गेम चेंजर साबित हुई है. हमारे पास 29 में से 19 'लाडकी बहनें' हैं. जनता ने जो जनादेश दिया है, उसे हमने स्वीकार किया है, और जो कमियां रह गई हैं, उनका आत्ममंथन किया जाएगा.

'महायुति का होगा मेयर'

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सोमवार (18 जनवरी) को मुझे भी सभी से मुलाकात करनी है, इसलिए यह बैठक यहां रखी गई है. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मुंबई का मेयर महायुति से होगा. आज हमने चुने हुए नगरसेवकों के साथ बैठक की है. मुंबई का विकास कैसे किया जाए इसके लिए हमने आज बात की है. बता दें कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को बीएमसी चुनाव में 29 सीटों पर जीत मिली है.

मुंबई के ओशिवारा इलाके में फायरिंग से मचा हड़कंप!

अंधेरे का फायदा उठाकर भागे बदमाश

मुंबई : मुंबई के ओशिवारा इलाके में फायरिंग से हड़कंप मच गया। फायरिंग की आवाज सुनते ही लोगों में अफरा-तफरी मच गई। बताया जाता है कि एक बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लैट में दो राउंड फायर हुआ है। तुरंत इसकी खबर पुलिस को दी गई। पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। मामले की जांच की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक यह घटना ओशिवारा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत नालंदा सोसाइटी में हुई। बताया जा रहा है कि फायरिंग के बाद बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर निकल भागे। इस फायरिंग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि इस घटना से स्थानीय लोगों में डर और दहशत का माहौल व्याप्त है। पुलिस ने सोसाइटी और इसके आसपास में लगे सभी सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हमलावरों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

हीरो बनने का सपना, जेब में मात्र 1 हजार रुपये...

15 साल का लड़का पहुंच गया मुंबई

मुंबई : सीकर में अपनी मां और बहन के साथ किराए के मकान में रहने वाला 15 वर्षीय नाबालिग छात्र एक्टर बनने का सपना लेकर मुंबई चला गया. महज 1 हजार रुपए लेकर वह ट्रेन में बैठकर सीकर से मुंबई पहुंच गया. पुलिस ने उसे मुंबई के जुहू इलाके से सुरक्षित ढूंढकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है.

जानकारी के अनुसार, नाबालिग स्टूडेंट मूल रूप से कोटपूतली-बहरोड़ का रहने वाला है और फिलहाल वह सीकर में अपनी मां व बहन के साथ रहता था. छात्र 9 जनवरी को मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं

लौटा. नाबालिग के पास मोबाइल फोन था, जो लगातार स्विच ऑफ आ रहा था.

जुहू इलाके में होने की मिली सूचना

इस पर उसके पिता ने पुलिस में गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया. मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने नाबालिग की तलाश शुरू की और टेक्निकल सोर्सेज के जरिए पुलिस को सूचना मिली कि नाबालिग मुंबई के जुहू इलाके में मौजूद है. सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उसे वहां से ढूंढ निकाला और सीकर लाकर परिजनों को सौंप दिया.

बताया जा रहा है कि नाबालिग केवल 1 हजार रुपए लेकर मुंबई गया था और मुंबई पहुंचते-पहुंचते उसके पास पैसे खत्म हो गए. पैसों की जरूरत पड़ने पर उसने मोबाइल ऑन कर अपने दोस्त को कई बार कॉल किया. दोस्त ने ही इसकी जानकारी नाबालिग के पिता को दी, जिसके बाद पुलिस को अहम सुराग मिला और नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर लिया गया.

मुंबई : हॉर्स ट्रेडिंग के डर से राजनीतिक दलों ने अपने-अपने नगरसेवकों को एकजुट रखने में पूरा जोर लगा दिया;

उद्धव सेना के 15 नगरसेवकों का मोबाइल फोन नॉट रीचेबल

मुंबई : बीएमसी चुनाव में बीजेपी 89 सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनी है, लेकिन मेयर किस दल का बनेगा, इसको लेकर सस्पेंस बरकरार है। वहीं, हॉर्स ट्रेडिंग के डर से राजनीतिक दलों ने अपने-अपने नगरसेवकों को एकजुट रखने में पूरा जोर लगा दिया है। जहां उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार से ही अपने 29 नगरसेवकों को बांद्रा में एक होटल में रखा और उनसे मिलकर उन्हें संबोधित किया, वहीं रविवार को उद्धव सेना

के 15 नगरसेवकों का मोबाइल फोन नॉट रीचेबल आया, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में हॉर्स ट्रेडिंग की चचाओं ने जोर पकड़ा। उद्धव सेना के संजय राउत ने कहा कि महापौर शिंदे सेना या ठाकरे बंधुओं का हो, बस बीजेपी का न हो, यह सभी की भावना है। मेयर को लेकर जारी सस्पेंस के बीच बीजेपी के एक नेता ने दावा किया कि महायुति का ही मेयर बनेगा। वहीं, मुख्यमंत्री दावोस पहुंच गए हैं। वे 23 जनवरी को वापस लौटेंगे। उसके बाद ही मेयर पद पर कोई निर्णय संभव है।

होटल पॉलिटिक्स ने बढ़ाया सस्पेंस

उद्धव ने यह कहकर सस्पेंस बढ़ा दिया है कि अगर 'भगवान' चाहेंगे, तो मुंबई का मेयर शिवसेना का होगा। कहा जा रहा है कि शिंदे के कुछ नगरसेवकों ने मातोश्री से संपर्क किया था। जिसके बाद अलर्ट होते हुए शिंदे सेना ने होटल पॉलिटिक्स शुरू की। खबर है कि शिंदे ने रविवार को होटल में अपने नगरसेवकों को संबोधित किया। वहीं, शिंदे सेना की नेत्री शीतल म्हात्रे ने कहा कि किसी की पीठ में छुरा घोंपने की हमारी परंपरा नहीं है। जनता ने महायुति को जनमत दिया है और हमारा ही महापौर बनेगा। हमारे 29 में से 20 नगरसेवक ऐसे हैं, जो पहली बार चुनाव जीते हैं। उन्हें कैसे कामकाज करना है, इसका प्रशिक्षण देने के लिए होटल में ठहराया गया है। हमें होटल पॉलिटिक्स करने की जरूरत नहीं है।

एआईएमआईएम के नगरसेवकों की बैठक, मिली नसीहत

असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने मुंबई में 8 सीटों पर जीत दर्ज की है। रविवार को पार्टी नेताओं ने सभी नवनिर्वाचित नगरसेवको के साथ बैठक की और रणनीति पर चर्चा की। पार्टी के एक नगरसेवक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्हें किसी दबाव या लालच से दूर रहने और पार्टी लाइन पर बने रहने की सलाह दी गई है। जबकि 24 सीटें जीतने वाली कांग्रेस के बड़े नेता भी लगातार अपने नगरसेवकों के साथ संपर्क में है।

नगरसेवकों से संपर्क के कई तरीके हैं: संजय राउत

सूत्रो के मुताबिक, उद्धव ठाकरे के कुछ नगरसेवक एकनाथ शिंदे के संपर्क में है। इस खबर ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। मुंबई में फूट की राजनीति फिर से देखने मिल सकती है। वही, इसके उलट उद्धव सेना के संजय राउत ने कहा कि शिंदे के नगरसेवक असल में शिवसैनिक है। उनके मन में मराठी पहचान की मशाल अभी भी जल रही है। सबकी एक राय है कि बीजेपी के मेयर को मुंबई में नहीं बैठने देना चाहिए।

मुंबई : कांग्रेस ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए बैलेट पेपर की मांग की...

मुंबई : हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में उंगलियों पर स्याही लगाने के लिए मार्कर पेन के इस्तेमाल और वोटर वेरिफि एबल पेपर ऑडिट ट्रेल का इस्तेमाल न करने को लेकर हुए विवाद के बीच, कांग्रेस ने मांग की है कि 5 फरवरी, 2026 को ज़िला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बजाय बैलेट पेपर से कराए जाएं। कांग्रेस के सीनियर नेता और महाराष्ट्र यूनिट के पूर्व प्रेसिडेंट नाना पटोले ने कहा, ''राज्य में हाल ही में हुए 29 नगर निगमों के चुनावों ने चुनाव सिस्टम से पर्दा पूरी तरह हटा दिया है। शहरों में बहुत कम वोटर टर्नआउट सिर्फ.वोटर की उदासीनता की वजह से नहीं है,

बल्कि यह चुनावी प्रक्रिया में जनता के घटते भरोसे का संकेत है।'' उनके मुताबिक, देश के कई राज्यों ने जनता का भरोसा बनाए रखने और विवादों से बचने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बजाय के बजाय बैलेट पेपर से लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट चुनाव कराने का फैसला किया है। पटोले ने इस बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य चुनाव कमिश्नर दिनेश वाघमारे को एक लेटर भी भेजा है। उन्होंने कहा, ''सिर्फ महाराष्ट्र में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बजाय पर इतना जोर क्यों, और किसके फायदे के लिए? वोटर यही सवाल पूछ रहे हैं।'' पटोले ने आगे कहा कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां, वोटरों को पोलिंग बूथ ढूंढने के लिए दो से तीन घंटे भटकना, और हजारों वोटरों को बिना वोट डाले वापस लौटना पड़ना, ये सभी चुनाव आयोग की नाकाबिलियत के गंभीर संकेत हैं। उन्होंने कहा, ''यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। एक बहुत गंभीर मुद्दा यह है कि नगर निगम चुनावों में वोटर वेरिफि एबल पेपर ऑडिट ट्रेल सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया गया, जिससे वोटरों को अपना वोट वेरिफाई करने के उनके अधिकार से वंचित किया गया। इसके अलावा, हाथ धोने के बाद वोटरों की उंगलियों पर लगी स्याही मिट रही थी। इन सभी वजहों से, चुनाव प्रक्रिया की ट्रांसपेरेंसी और भरोसे के साथ-साथ एएउ की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठे हैं।''

ठाणे पुलिस की बड़ी कामयाबी: मुंब्रा में 27 करोड़ की ड्रग्स बरामद...

MP तक फैला था तस्करी का जाल

मुंब्रा : महाराष्ट्र के मुंब्रा में नार्कोटिक्स कंट्रोल टीम ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट को ध्वस्त करते हुए 13.6 किलोग्राम मेफेड्रोन (MD) बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 27.21 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस ऑपरेशन के तार सीधे मध्य प्रदेश के ड्रग तस्करों से जुड़े हैं।

एक के बाद एक खुले राज

ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय के तहत यह किसी भी पुलिस स्टेशन स्तर पर की गई अब तक की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती है। पुलिस उपायुक्त (जोन 1) सुभाष बुर्से ने बताया कि उन्हें मुंब्रा के एक स्थानीय अस्पताल के पास ड्रग डील की गुप्त सूचना मिली थी। मुंब्रा पुलिस की एनडीपीएस टीम ने वहां घेराबंदी कर बासु उमरदीन सैयद को दबोचा। शुरूआत में उसके पास से केवल 23.5 ग्राम मेफेड्रोन मिली, लेकिन जब सख्ती से पूछताछ हुई, तो मध्य प्रदेश से जुड़े एक विशाल ड्रग नेटवर्क का खुलासा हुआ।

मध्य प्रदेश से संचालित हो रही थी सप्लाई चेन

सैयद से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाया। जांच की आंच मध्य प्रदेश तक पहुंची, जहां से मुख्य आपूर्तिकर्ता राम सिंह अमर सिंह गुर्जर (40) और कैलाश शंभूलालजी बलाई (36) को गिरफ्तार किया गया। इन दोनों के पास से 7.30 करोड़ रुपये मूल्य की 3.51 किलोग्राम ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस को यहीं रुकना नहीं था, मास्टरमाइंड तक पहुँचने के लिए टीम रतलाम रवाना हुई।

रतलाम में छापेमारी और मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी

मुंब्रा पुलिस की विशेष टीम ने रतलाम (MP) में दबिश देकर दो और बड़े खिलाड़ियों मनोहर लाल रंगलाल गुर्जर और रियाज मोहम्मद उर्फ 'राजू' को गिरफ्तार किया। इनके ठिकाने से पुलिस ने 19.91 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 10 किलो मेफेड्रोन जब्त की। पुलिस के अनुसार, ये सभी आरोपी आदतन अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले से ही एनडीपीएस (NDPS), बीएनएस (BNS) और आर्म्स एक्ट के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

मुंब्रा पुलिस का रिकॉर्ड प्रदर्शन

डीसीपी सुभाष बुर्से ने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। आंकड़ों के मुताबिक, मुंब्रा पुलिस की एनडीपीएस टीम जनवरी 2024 से अब तक कुल 954 ऑपरेशनों में 48.50 करोड़ रुपये से अधिक के नशीले पदार्थ जब्त कर चुकी है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस खेप का इस्तेमाल मुंबई और आसपास के इलाकों में किन-किन रेव पार्टियों या डीलरों को सप्लाई करने के लिए किया जाना था।

मुंबई : सीएसएमटी-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस की सातवीं सालगिरह मनाई...

मुंबई : मध्य रेलवे ने सोमवार को सीएसएमटी-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस की सातवीं सालगिरह मनाई। यह देश की पहली लंबी दूरी की यात्री ट्रेन है, जो पुश-पुल तकनीक के साथ चलती है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार। जब ट्रेन अपने गंतव्य के लिए सीएसएमटी स्टेशन से रवाना हुई, तब यात्री, रेलवे प्रेमी और मध्य रेलवे के कर्मचारी मौजूद थे। सालगिरह के जश्न में ढोल बजाना, केक काटना, और ट्रेन को फूलों और माला से सजाना शामिल था।

सोना तस्करी के मामले में दो गिरफ्तार

सीमा शुल्क विभाग ने सोमवार को बताया कि मुंबई एयरपोर्ट पर 1.59 किलोग्राम 24 कैरेट सोने की धूल तस्करी करने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक और एक एयरपोर्ट कर्मचारी को पकड़ा गया। इस सोने की कीमत 2.15 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। एक अधिकारी ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यह कार्रवाई विशेष सूचना के आधार पर शनिवार और रविवार को की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी बांग्लादेशी नागरिक शनिवार देर रात दुबई से आया था और रविवार तड़के इंडिगो की उड़ान से ढाका जाने वाला था, इसी दौरान उसे पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर आरोपी को उस समय पकड़ा गया, जब वह मोम में लिपटे सोने की धूल के चार अंडाकार पैकेट हवाई अड्डे के एक कर्मचारी को सौंप रहा था, जिनका वजन 1,590 ग्राम और कीमत 2.15 करोड़ रुपये थी। उन्होंने बताया कि बांग्लादेशी नागरिक और हवाई अड्डे के कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे जांच जारी है।

विश्व आर्थिक मंचः दावोस में एमएमआरडीए टीम की अहम बैठकें...

मुंबई के विकास को गति देना लक्ष्य

मुंबई : मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी के नेतृत्व में एमएमआरडीए की एक टीम विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) वार्षिक शिखर सम्मेलन 2026 के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस में है। यह टीम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र प्रतिनिधिमंडल का एक हिस्सा है, जिसमें एएमसी-आई विक्रम कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। उनकी दावोस यात्रा का उद्देश्य मुंबई महानगर क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए वैश्विक वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी साझेदारी हासिल करना है। डब्ल्यूईएफ के पहले दिन, प्रतिनिधिमंडल ने क्रॉसरेल इंटरनेशनल के सीईओ पॉल डायसन के साथ एक रणनीतिक बैठक की। क्रॉसरेल इंटरनेशनल यूके स्थित एक विशेषज्ञ सलाहकार फर्म है जो दुनिया भर में प्रमुख परिवहन अवसंरचना कार्यक्रमों का समर्थन करती है। चचाओं में सहयोग की पुष्टि की गई और मेट्रो और शहरी परिवहन में ज्ञान साझा करने और क्षमता निर्माण के अवसरों का पता लगाया गया।

एक अन्य महत्वपूर्ण अवसर पर, एमएमआरडीए प्रतिनिधिमंडल ने बर्कले विश्वविद्यालय के प्रोफेसर क्रिस बुश से बातचीत की। यह साझेदारी शहरी विकास में अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और नवाचार के नए द्वार खोलेगी, साथ ही मुंबई को भारत और एशिया की प्रतिभा राजधानी बनाने की परिकल्पना की दिशा में एक कदम है और उसे समर्थन प्रदान करती है।

महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी लाने के लिए, विश्व आर्थिक मंच 2026 एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों और नीति निमार्ताओं के साथ केंद्रित चचाओं का उद्देश्य प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देना, औद्योगिक साझेदारियों को गति देना, रोजगार सृजन को बढ़ाना और एमएमआर में सतत आर्थिक विकास को समर्थन देना होगा।

एमएमआरडीए द्वारा विश्व आर्थिक मंच 2026 से मुंबई महानगर क्षेत्र के लिए प्राप्त की जा रही धनराशि, साझेदारियों और वैश्विक गठबंधनों के बारे में नवीनतम जानकारी के लिए जुड़े रहें। बता दें कि सीएम फडणवीस के नेतृत्व में जो प्रतिनिधिमंडल दावोस पहुंचा है, उसमें मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) भी शामिल है। एमएमआरडीए का नेतृत्व महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में एएमसी-आई विक्रम कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

मुंबई से पहुंची एक ग्रेजुएट युवती ने समाज की परवाह किए बिना पांचवीं पास प्रेमी को अपना जीवनसाथी चुना...

मुंबई : प्यार न उम्र देखता है, न जात-पात और कभी-कभी तो यह पढ़ाई-लिखाई की दीवारें भी लांघ जाता है. चंडी में सामने आई यह कहानी बिल्कुल वैसी ही है, जहां ग्रेजुएट युवती ने समाज की परवाह किए बिना पांचवीं पास प्रेमी को जीवनसाथी चुन लिया. परिवार के सपनों, समाज की बंदिशों और भविष्य की चिंताओं को पीछे छोड़कर युवती मुंबई से बिहार के एक छोटे से गांव तक अकेली पहुंच गई. तीन दिन की लंबी ट्रेन यात्रा, मोबाइल लोकेशन के सहारे प्रेमी का घर ढूंढना और पहुंचते ही मंदिर में शादी, यह पूरी कहानी किसी फिल्मी प्लॉट से कम नहीं लगती है, लेकिन जैसे ही यूपी में दर्ज केस की जानकारी चंडी पुलिस को मिली, प्रेमी-युगल की यह लवस्टोरी अचानक कानूनी पेचिदगियों में उलझ गई.

मुंबई से निकलकर बिहार के चंडी थाना क्षेत्र के मोसिमपुर गांव पहुंची सपना कुमारी ने यहां अपने प्रेमी मनीष कुमार से मंदिर में शादी कर ली. सपना उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के बदलापुर थाना क्षेत्र के निवासी रंजय यादव की बेटी है. करीब 15 दिन पहले वह घर से निकलकर अपने प्रेमी के पास पहुंची थी और दोनों पति-पत्नी की तरह रह रहे थे. हालांकि इसकी जानकारी मिलते ही सपना के पिता ने यूपी के बदलापुर थाने में केस दर्ज करा दिया, जिसके आधार पर सोमवार को चंडी पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया.

मनीष की पढ़ाई सिर्फ पांचवीं तक हुई है और वह मुंबई में मजदूरी करता था. वहीं सपना ग्रेजुएट है और बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का काम करती थी. दोनों के कमरे मुंबई में पास-पास थे और इसी दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ीं. करीब तीन महीने की पहचान प्यार में बदल गई. दो महीने पहले मनीष अचानक गांव लौट आया तो सपना का उससे फोन पर संपर्क बना रहा.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

टकराव की ओर अमेरिका-यूरोप...

वेनेजुएला पर हमला करके उसके राष्ट्रपति मादुरो को पत्नी समेत अगवा करा लेने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप ने डेनमार्क के स्वायत्त द्वीप ग्रीनलैंड को छीनने की मुहिम तेज कर रखी है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है जो कनाडा और यूरोप के बीच उत्तरी अटलांटिक महासागर में फैला है। उत्तरी ध्रुव से सटा होने के कारण तटवर्ती पट्टियों को छोड़कर इसका 80 प्रतिशत से अधिक भूभाग बर्फ की एक से तीन किमी मोटी परत से ढका रहता है। दक्षिणी ध्रुव के बाद सबसे अधिक बर्फ ग्रीनलैंड की इस परत में ही जमा है जो जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से पिघल कर किनारों की तरफ खिसक रही है। ग्रीनलैंड के साथ-साथ उत्तरी ध्रुव सागर की बर्फ भी तेजी से पिघल रही है जिसकी वजह से समुद्री यातायात के नए जलमार्ग खुल रहे हैं जो रूस, चीन और जापान से उत्तरी अमेरिका और यूरोप की दूरी को बहुत कम कर देते हैं। उत्तरी ध्रुव सागर से ग्रीनलैंड सागर होते हुए उत्तरी अटलांटिक महासागर में खुलने वाले इन मार्गों का प्रयोग करने के लिए रूस और चीन अपने विशेष युद्धपोतों और पनडुब्बियों का विकास कर रहे हैं ताकि वहां अपना वर्चस्व कायम कर सकें। इस जलमार्ग पर स्थित होने के कारण ग्रीनलैंड का भूराजनीतिक और सामरिक महत्व हमेशा से रहा है। दूसरे महायुद्ध में उसने हिटलर के युद्धपोतों और पनडुब्बियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। युद्ध के बाद राष्ट्रपति ट्रूमैन ने इसे 10 करोड़ डॉलर के सोने से खरीदने का प्रयास किया, पर बात नहीं बनी। उसके बाद 1951 में डेनमार्क ने अमेरिका को ग्रीनलैंड की रक्षा में विशेष भूमिका देते हुए सैनिक अड्डे बनाने का अधिकार दे दिया था। इसके अलावा ग्रीनलैंड में तेल, गैस और उन दुर्लभ खनिजों के भंडार भी हैं जो इलेक्ट्रॉनिक और रक्षा उपकरणों और स्वच्छ ऊर्जा की बैटरियों के लिए आवश्यक होते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि उत्तरी ध्रुव और उत्तरी अटलांटिक महासागर में रूस और चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए ग्रीनलैंड पर अमेरिका का स्वामित्व होना आवश्यक है। इसके बिना न ग्रीनलैंड अपनी रक्षा कर पाएगा और न वे उसकी रक्षा कर सकेंगे। इसलिए सीधे या टेढ़े रास्ते से वे उसे लेकर रहेंगे। उन्होंने भी ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने कहा उनका देश बिकाऊ नहीं है। डेनमार्क अमेरिका का दो सौ साल पुराना दोस्त है और स्थापना के समय से ही नाटो का सदस्य रहा है। उसने कोई 300 वर्ष पहले ग्रीनलैंड को अपना उपनिवेश बनाया था, परंतु 1979 के बाद से ग्रीनलैंड पूरी तरह स्वायत्त है। केवल विदेश नीति और रक्षा डेनमार्क संभालता है, क्योंकि ग्रीनलैंड के पास अपनी सेना नहीं है। उसके सभी 56 हजार इन्युइट आदिवासियों को डेनिश नागरिकता प्राप्त है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन का कहना है कि यदि उन्हें अमेरिका और डेनमार्क में से एक को चुनना पड़ा तो वे डेनमार्क में रहना पसंद करेंगे।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On
YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : सपा नेता अबू आजमी ने सीएम देवेंद्र फडणवीस को लिखा पत्र, रखी ये मांग

मुंबई : समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबू आजमी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र राज्य हज कमेटी में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की कथित अवैध नियुक्ति को लेकर पत्र लिखा है। अबू आजमी ने पत्र की कॉपी एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि मेरी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग है कि महाराष्ट्र राज्य हज कमेटी में मुख्य कार्यकारी अधिकारी की कथित अवैध नियुक्ति पर तुरंत संज्ञान लिया जाए। यह विषय कानून, संविधान और अल्पसंख्यक संस्थाओं के अधिकारों से जुड़ा है। न्यायसंगत कार्रवाई कर सही व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

पत्र में अबू आजमी ने महाराष्ट्र स्टेट हज कमेटी के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर मनोज जाधव के अपॉइंटमेंट की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह गैर-कानूनी, बिना अधिकार क्षेत्र के, और हज कमेटी को चलाने वाले कानूनी ढांचे का उल्लंघन लगता है। महाराष्ट्र स्टेट हज कमेटी एक मुस्लिम-सेंट्रिक कानूनी स्कीम के तहत बनाई गई है, जिसे यह पक्का करने के लिए बनाया गया है कि इसका एडमिनिस्ट्रेशन, पॉलिसी बनाना और काम करना इस्लामिक कानून, धार्मिक रीति-रिवाजों और हज यात्रा की जरूरी जरूरतों के हिसाब से हो।

एक्ट में साफ तौर पर यह सोचा गया है कि लीडरशिप और जरूरी एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल कमेटी के सदस्यों में से चुने गए मुस्लिम प्रतिनिधियों के पास होना चाहिए, जो इस्लामिक धार्मिक जिम्मेदारियों और समुदाय की खास जरूरतों से वाकिफ हों। एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर एक गैर-मुस्लिम ऑफिसर की नियुक्ति, एक्ट के इरादे, भावना और शब्द का खुला उल्लंघन है, और इसका नतीजा कानून के खिलाफ अधिकार का गलत इस्तेमाल है। इस तरह की नियुक्ति से गंभीर संवैधानिक चिंताएं भी पैदा होती हैं और ऐसा लगता है कि यह भारत के संविधान के आर्टिकल 14, 15(1), 25(1), और 26(ए)-(बी) के तहत मिली सुरक्षा का उल्लंघन करती है, जो बराबरी, धर्म की आजादी और धार्मिक ग्रुप्स को अपने मामले खुद मैनेज करने के अधिकार की रक्षा करते हैं। इसके अलावा, कानूनी तौर पर जरूरी मिसालों ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि धार्मिक और अल्पसंख्यक संस्थाओं को उनकी कानूनी और संवैधानिक सुरक्षा के हिसाब से चलाया जाना चाहिए। इसमें सरकारी दखल नहीं होना चाहिए। सपा नेता ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि महाराष्ट्र स्टेट हज कमेटी के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर मनोज जाधव की नियुक्ति रद्द करें और एक्ट और उसके कानूनी अधिकार के अनुसार, चुने हुए कमेटी सदस्यों में से एक सही मुस्लिम प्रतिनिधि को नियुक्त करें। अबू आजमी ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि आपके काबिल लीडरशिप में कानून, संवैधानिक मूल्यों और माइनॉरिटी अधिकारों के हिसाब से न्याय होगा।

बुलढाणा : प्यारी बहन स्कीम का फंड रुका, ZP चुनाव से पहले असंतोष बढ़ा...

बुलढाणा : मुख्यमंत्री की मेरी प्यारी बहन स्कीम की लाभार्थी बुलढाणा जिले की हजारों महिलाओं की चिंता बढ़ गई है। टेक्निकल वजहों से जिले की करीब 30,000 महिलाओं को पिछले दो महीने से फायदा मिलना बंद है, और स्कीम के हमेशा के लिए बंद होने की अफवाहों के चलते महिलाएं जिला महिला एवं बाल कल्याण ऑफिस में जमा हो गई हैं। यह भी पता चला है कि कुछ दूसरी जगहों पर भी महिलाओं ने लड़की भैणी स्कीम के पैसे न मिलने पर विरोध प्रदर्शन किया है। बुलढाणा जिले में कुल साढ़े छह लाख से ज्यादा महिलाएं इस स्कीम का फायदा उठा रही हैं। हालांकि, एडमिनिस्ट्रेटिव वेरिफिकेशन के दौरान e-KYC प्रोसेस में मिली गलतियों के चलते करीब 30 हजार महिलाओं की किश्तें रोक दी गई हैं। पता चला है कि बैंक अकाउंट के आधार से लिंक न होने या टेक्निकल जानकारी में गड़बड़ी के चलते यह फायदा रोका गया है। अफवाहों से टेंशन बढ़ गई है। स्कीम बंद होने की अफवाहों ने ग्रामीण इलाकों की महिलाओं में डर का माहौल बना दिया है। इससे गुस्साई और परेशान महिलाएं सीधे ऑफिस पहुंचीं और पूछताछ शुरू कर दी। बेनिफिशियरी महिलाओं ने मांग की है, ''हमें e-KYC में हुई गलतियों को ठीक करने का मौका दिया जाना चाहिए, ताकि हमें वो फायदे फिर से मिल सकें जिनके हम हकदार हैं।'' एडमिनिस्ट्रेटिव सफाई : महिला और बाल कल्याण विभाग ने साफ किया है कि स्कीम बंद नहीं की गई है। सिर्फ जिनके डॉक्यूमेंट्स या e-KYC में गलतियां हैं, उनके फायदे कुछ समय के लिए रोके गए हैं। एडमिनिस्ट्रेशन से संकेत मिल रहे हैं कि गलतियां ठीक होते ही रुके हुए फायदे दे दिए जाएंगे।

मुंबई : एकनाथ शिंदे ने मेयर पद पर स्थिति साफ की, महायुति की अफवाहों पर भी बात की

मुंबई : शिवसेना और BJP महायुति ने मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में मिलकर चुनाव लड़ा है और मुंबई में महायुति का ही मेयर होगा। डिप्टी चीफ मिनिस्टर ने कहा कि ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर समेत जहां भी हमने महायुति के तौर पर मिलकर चुनाव लड़ा, वहां महायुति का ही मेयर बनेगा। एकनाथ शिंदे ने साफ किया है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन चुनाव में किसी भी पार्टी को साफ बहुमत नहीं मिला और शिवसेना ने अपने कॉर्पोरेटर को फाइव स्टार होटल में रखा, इसलिए इस बारे में कई बातें कही जा रही थीं।

हालांकि, इन सभी शक को खत्म करते हुए कहा जा रहा है कि मुंबई में महायुति का ही मेयर होगा। एकनाथ शिंदे ने समझाया। मुंबई के लोगों ने बड़े भरोसे के साथ महागठबंधन बनाया है। BJP को वोट दिया है और उनके वोटों के आधार पर कोई और फैसला शिवसेना नहीं लेगी।

शिंदे ने कहा कि लोगों को इस बारे में किसी भी अफवाह पर यकीन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा जिन नगर पालिकाओं में शिवसेना, भाजपा और महायुति ने मिलकर महायुति के तौर पर चुनाव लड़ा है, वहां भी महायुति का मेयर बनेगा। इसलिए, मुंबई समेत महाराष्ट्र में बन रहे कुछ और राजनीतिक समीकरणों की चल रही चचाओं में कोई सच्चाई नहीं है, और एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुंबई में शिवसेना, भाजपा और आरपीआई महायुति का मेयर बनेगा।

न्यू मिल रोड पर BJP कार्यकताओं पर हमला, तीन गंभीर रूप से घायल, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : कुर्ला वेस्ट से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां लोकल फेरीवालों ने कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं पर हमला किया, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले का वीडियो बना लिया गया और सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया गया, जिससे इलाके में तनाव फैल गया।

कुर्ला पुलिस के मुताबिक, यह घटना 18 जनवरी को शाम 5.30 से 6.00 बजे के बीच कुर्ला वेस्ट के न्यू मिल रोड पर हुई। छह आरोपियों के खिलाफ दंगा और हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया है। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि पुलिस टीमें बाकी पांच संदिग्धों की तलाश कर रही हैं। घायलों की पहचान BJP कार्यकर्ता आकाश सिंह, आदित्य पानसे और असीम सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि तीनों की कथित तौर पर एक दुकान के सामने गाड़ी पार्क करने को लेकर फेरीवालों के एक ग्रुप से बहस हो गई। जो मामूली बहस शुरू हुई थी, वह जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई।

हमले के बाद विरोध प्रदर्शन आरोप है कि फेरीवालों ने मिलकर BJP कार्यकताओं पर हिंसक हमला किया। हमले के दौरान, आकाश सिंह के सिर पर पेवर ब्लॉक से वार किया गया, और धारदार हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया। सिंह के सिर में गंभीर चोटें आईं और उनकी हालत अभी गंभीर है। आदित्य पानसे और असीम सिंह पर भी बुरी तरह हमला किया गया और उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद, कुर्ला पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत ऋक्ष दर्ज की है और विस्तृत जांच शुरू की है।

इस हमले से BJP कार्यकताओं और स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा फैल गया। सकल हिंदू समाज, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों ने आरोपियों, अवैध फेरीवालों और गलत काम करने वाले ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने कुर्ला पुलिस स्टेशन के बाहर करीब दो से तीन घंटे तक प्रदर्शन भी किया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि हमले में शामिल लोगों और कानून तोड़ने वाले अवैध फेरीवालों और ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कुर्ला पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर विकास मेहमनकर ने कहा कि बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (इटउ) और छ वार्ड के अधिकारियों के साथ मीटिंग के बाद एक जॉइंट एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। इस भरोसे के बाद, विरोध वापस ले लिया गया।

चंद्रपुर : सुधीर मुनगंटीवार का रुख : ''मेयर भाजपा का सदस्य बनाओ वरना हम विपक्ष में बैठेंगे''

चंद्रपुर : BJP अभी चंद्रपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए आगे बढ़ रही है। दूसरी तरफ, सबसे ज्यादा सीटें जीतकर नंबर वन पार्टी बनी कांग्रेस को भी बहुमत के लिए चार कॉर्पोरेटर चाहिए। इस वजह से चंद्रपुर में उद्धव सेना किंगमेकर बन गई है। ऐसे में इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या BJP मेयर का पद उद्धव सेना को देगी, और BJP नेता सुधीर मुनगंटीवार मुनगंटीवार ने इसका विरोध किया है। मेयर BJP का होगा, नहीं तो हम विपक्ष में बैठेंगे।

चंद्रपुर के वोटरों ने यह जनादेश दिया है कि किसका मेयर चुना जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्धव सेना किसे सपोर्ट करेगी। इस वजह से उद्धव सेना की बारगेनिंग पावर भी बढ़ गई है। क्या मेयर का पद उद्धव सेना को दिया जाएगा? इस पर भी चर्चा चल रही है, और मुनगंटीवार ने साफ किया है कि BJP ऐसा कोई स्टैंड नहीं लेगी। सुधीर मुनगंटीवार क्या कहा? मीडिया से बात करते हुए सुधीर मुनगंटीवार ने कहा, ''कई इंडिपेंडेंट कॉर्पोरेटर या दूसरे कॉर्पोरेटर टच में हैं। अगर आप भारतीय जनता पार्टी का मेयर बना रहे हैं, तो हम आपके साथ आने को तैयार हैं। बातचीत चल रही है। बातचीत चल रही है।''

''मेयर का पद किसी भी हालत में किसी को नहीं दिया जा सकता। अगर जरूरत पड़ी, तो हम अपोज़िशन में बैठेंगे। हम अपोज़िशन में बैठेंगे और अपने कॉर्पोरेटरों के वार्ड में पूरी मेहनत करेंगे। शहर की तरक्की और बेहतरी के लिए मेयर

चंद्रपुर : सुधीर मुनगंटीवार का रुखः ''मेयर भाजपा का सदस्य बनाओ वरना हम विपक्ष में बैठेंगे''

का ही होना चाहिए,'' उन्होंने साफ कहा है। कांग्रेस से भी हलचल चंद्रपुर में म्युनिसिपल चुनाव में कांग्रेस को अच्छी कामयाबी मिली है। BJP ने 23 सीटें जीती हैं, जबकि कांग्रेस ने 27 सीटें जीती हैं। चंद्रपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में सरकार बनाने के लिए बहुमत का नंबर 34 है। कांग्रेस ने यह चुनाव जन विकास सेना के साथ मिलकर लड़ा था। उन्होंने 3 सीटें जीती हैं।

कांग्रेस और खशर की कुल सीटों की संख्या 30 है। उन्हें सरकार बनाने के लिए 4 और सीटों की जरूरत है। अगर उद्धव सेना उनका साथ देती है, तो कांग्रेस की चिंताएं दूर हो जाएंगी। इसलिए, ऐसा लग रहा है कि उद्धव सेना पॉलिटिकल बातचीत में ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश कर रही है।

मुंबई : महाराष्ट्र निकाय चुनाव: कांग्रेस और OBC बहुजन पार्टी ने मिलाया हाथ...

मुंबई : प्रकाश शेंडगे के नेतृत्व वाली OBC बहुजन पार्टी सोमवार को आधिकारिक तौर पर कांग्रेस में शामिल हो गई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (MPCC) के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने घोषणा की कि यह ''वैचारिक गठबंधन'' आने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव मिलकर लड़ेगा। 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनाव 5 फरवरी को होने हैं, और वोटों की गिनती 7 फरवरी को होगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सपकाल ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा, ''यह गठबंधन सिर्फ सत्ता के लिए नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय के लिए एक बड़े विजन पर आधारित है। जब से राहुल गांधी ने देशव्यापी जाति जनगणना की मांग की है, मोदी सरकार इसे मानने पर मजबूर हुई है, फिर भी यह प्रक्रिया अटकी हुई है। कांग्रेस 'जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व' के सिद्धांत के साथ खड़ी है। इस रुख को सभी समुदायों में भारी समर्थन मिल रहा है।''

MPCC प्रमुख ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर लंबे समय से किए गए वादों को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने जनता को याद दिलाया कि फडणवीस ने 2014 में बारामती में वादा किया था कि सत्ता में आने पर वह ''अपने पहले ही हस्ताक्षर'' से धनगर आरक्षण को मंजूरी देंगे, यह वादा अभी भी अधूरा है। उन्होंने कहा, ''फडणवीस ने आरक्षण के नाम पर धनगर, OBC, मराठा और आदिवासी समुदायों को धोखा दिया है। उन्होंने अलग-अलग जातियों के बीच आपसी झगड़ा भड़काने के लिए सक्रिय रूप से काम किया है। इन समुदायों का अब BJP पर से पूरा भरोसा उठ गया है।'' OBC बहुजन पार्टी के नेता प्रकाश शेंडगे ने आरक्षण की मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि 27 प्रतिशत OBC कोटा लगातार खतरे में है और सरकार किसी भी समुदाय को वास्तविक लाभ दिए बिना ''ऋक्षपर ऋक्ष' (सरकारी प्रस्ताव) जारी कर रही है। शेंडगे ने कहा, ''हमने OBC समुदाय को न्याय दिलाने के लिए यह स्वतंत्र पार्टी बनाई है और समान विचारधारा वाली ताकतों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है। हम जाति जनगणना पर अपने मजबूत रुख के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद देते हैं और मानते हैं कि उनके नेतृत्व में OBC आरक्षण का मुद्दा आखिरकार हल हो जाएगा।''

विचाराधीन कैदी अस्पताल से फरार

पुणे : यौन अपराध के एक मामले में गिरफ्तार 26 वर्षीय विचाराधीन कैदी सोमवार शाम पुणे के सरकारी अस्पताल के आईसीयू से फरार हो गया। आरोपी अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य के लिए लगाए गए बांस के ढांचे का इस्तेमाल कर भागने में सफल रहा। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान सनी कुचेकर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज है और वह यरवदा केंद्रीय कारागार में बंद था। कुचेकर ने दोपहर में तबीयत खराब होने की शिकायत की थी, जिसके बाद उसे चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल लाया गया। अस्पताल में रहते समय उसे मिर्गी का दौरा पड़ा, जिसके बाद उसे अस्पताल की दूसरी मंजिल पर स्थित आईसीयू में भर्ती किया गया और उसे नसों के जरिए दवाएं दी गईं। यह घटना तब सामने आई, जब कुचेकर काफी देर तक अपने बिस्तर पर वापस नहीं लौटा। एक अधिकारी ने बताया, जब शौचालय का दरवाजा तोड़कर खोला गया, तो पता चला कि आरोपी फरार हो चुका है। आरोपी की तलाश और गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई टीमें गठित कर दी हैं।

मुंबई : सदन में दिए गए आश्वासनों की 90 दिनों में पूर्ति अनिवार्य

मुंबई : संसदीय कार्य विभाग ने 1998 से लागू पुराने नियमों में बदलाव करते हुए अब मंत्रालय के विभागों के लिए संसदीय प्रश्नों के उत्तर और आश्वासनों की पूर्ति हेतु समय-सीमा तय कर दी है। शासन के परिपत्रानुसार विधानमंडल सचिवालय से प्राप्त प्रत्येक संसदीय आयुध पर ऑनलाइन और ऑफलाइन, निर्धारित नमूने में और तय समय-सीमा के भीतर जानकारी देना आवश्यक होगा। प्रश्नों की स्वीकृति पर टिप्पणी नहीं करनी होगी, सदस्यों के बारे में आपत्तिजनक भाषा से बचना होगा तथा ध्यानाकर्षण सूचनाओं पर दिए जाने वाले निवेदनों में अनुचित टिप्पणियां नहीं की जाएंगी।

आश्वासनों पर नजर रखने समिति मंत्रियों द्वारा सदन में दिए गए आश्वासनों को 90 दिनों में पूरा करने के लिए हर विभाग में सचिव की अध्यक्षता में 'आश्वासन एवं संसदीय आयुध पूर्ति समिति' गठित करने के आदेश दिए गए हैं। यह समिति हर 15 दिन में लंबित मामलों की समीक्षा करेगी। दो वर्षों से अधिक समय से लंबित आश्वासनों के निपटारे के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए हैं। अधिकारियों की नियुक्ति अनिवार्य अधिवेशन के दौरान विभाग से जुड़े मुद्दों पर नजर रखने के लिए विधानमंडल की गैलरी और विभाग में जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति अनिवार्य कर दी गई है। साथ ही, प्रत्येक विभाग में सहसचिव/उपसचिव स्तर के अधिकारी को समन्वय अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का आदेश जारी किया गया है। इस परिपत्र का मुख्य उद्देश्य विधानमंडल की कार्यवाही को अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और जवाबदेह बनाना है।

कर्तव्य पथ पर सेना के शौर्य का नया अध्याय, पहली बार दिखेंगे लद्दाख के दो कूबड़ वाले ऊंट, गणतंत्र दिवस परेड रिहर्सल की अनदेखी झलकियां आईं सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड भारतीय सेना के शौर्य, भौगोलिक विविधता और साहसिक कौशल का अभूतपूर्व दृश्य प्रस्तुत करने जा रही है। कर्तव्य पथ पर चल रही परेड की रिहर्सल में ऐसे दृश्य सामने आ रहे हैं, जो न केवल रोमांच से भर देने वाले हैं, बल्कि देश की सैन्य क्षमता और अनुकूलन शक्ति का भी सशक्त परिचय देते हैं।

इस बार की परेड की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि पहली बार लद्दाख के दो कूबड़ वाले बैक्ट्रियन ऊंट कर्तव्य पथ पर नजर आएंगे। ये ऊंट भारतीय सेना के पशु दस्ते का अहम हिस्सा हैं और अत्यंत दुर्गम व ठंडे इलाकों में रसद पहुंचाने, गश्त और सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माइनस 40 डिग्री तक के तापमान में भी काम करने की क्षमता रखने वाले ये ऊंट जब परेड में मार्च करेंगे, तो यह दृश्य भारत की भौगोलिक विविधता और सेना की असाधारण सहनशक्ति को दर्शाएगा।

रिहर्सल के दौरान यह भी देखने को मिला कि परेड में केवल आधुनिक हथियारों और सैनिक टुकड़ियों का ही नहीं, बल्कि उन संसाधनों का भी प्रदर्शन होगा, जो कठिन परिस्थितियों में सेना का आधार बनते हैं। लद्दाख के ऊंटों की मौजूदगी इस बात का प्रतीक है कि भारतीय सेना हर भू-भाग और हर मौसम में देश की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम है।

इस वर्ष परेड में एक और नया आकर्षण भी शामिल किया गया है। पहली बार भारतीय सेना का डाक स्कॉड दस्ता भी परेड का हिस्सा बनेगा। यह दस्ता अपने अनुशासन, प्रशिक्षण और समन्वय के माध्यम से दर्शकों को सेना की कार्यकुशलता का सजीव अनुभव कराएगा।

इसके साथ ही मोटरसाइकिल पर सवार जवानों के रोमांचक और जोखिम भरे करतब भी परेड का मुख्य आकर्षण रहेंगे। तेज गति में संतुलन बनाते हुए, एक-दूसरे के ऊपर खड़े होकर जटिल संरचनाएं बनाते जवान जब करतब दिखाएंगे, तो दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठेंगे।

कुल मिलाकर, इस बार की गणतंत्र दिवस परेड केवल परंपरागत सैन्य मार्च तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह शौर्य, साहस, शक्ति और नवाचार का जीवंत उत्सव बनकर सामने आएगी। कर्तव्य पथ पर होने वाला यह भव्य आयोजन हर भारतीय के मन में देश और सेना के प्रति गर्व की भावना को और मजबूत करेगा।

शालीमार बाग को मिली स्वास्थ्य और जनसुविधाओं की बड़ी सौगात

–मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अटल कैंटीन और मीनाक्षी मंदिर रोड का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने राजधानी में जनस्वास्थ्य, पोषण और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में कई जनकल्याणकारी विकास परियोजनाओं का विधिवत शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में तीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर, एक अटल कैंटीन और मीनाक्षी मंदिर रोड का निर्माण कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री ने डब्लूपी ब्लॉक, वीपी ब्लॉक (पीतमपुरा) और हैदरपुर क्षेत्र में स्थापित किए गए तीन नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन किया। इन स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने से शालीमार बाग क्षेत्र के निवासियों को अपने घर के नजदीक ही मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। इन केंद्रों पर चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक जांच, दवाइयां, टीकाकरण और प्राथमिक उपचार की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्देश्य आम नागरिकों को सुलभ, सस्ती और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं देना है। उन्होंने कहा कि इससे विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा और उन्हें इलाज के लिए दूर के अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास स्थित नेहरू कैंप में अटल कैंटीन का भी शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि इस कैंटीन में जरूरतमंद लोगों को मात्र पांच रुपये में गर्म, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल कैंटीन जैसी योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों के लिए बड़ी राहत हैं और यह सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाती हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग वेस्ट स्थित बी.बी. ब्लॉक में मीनाक्षी मंदिर रोड के निर्माण कार्यों की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, जाम की समस्या कम होगी और लोगों को सुरक्षित व सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इससे स्थानीय निवासियों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों को भी लाभ होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य, सम्मान और आधारभूत ढांचा–ये तीनों दिल्ली सरकार की प्राथमिकताएं हैं। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सम्मानजनक जीवन और आधुनिक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि शालीमार बाग में शुरू की गई ये परियोजनाएं सरकार की जनकल्याणकारी सोच और समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर, उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुसार और पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं का सीधा और त्वरित लाभ आम जनता तक पहुंचे और दिल्ली के प्रत्येक क्षेत्र का संतुलित विकास हो।

हर बार ससुराल पक्ष दोषी नहीं, महिलाएं भी करती हैं कानून का दुरुपयोग : दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में पारिवारिक विवादों और दहेज उत्पीड़न के मामलों में अहम टिप्पणियां करते हुए कहा कि ससुराल वाले हमेशा दोषी नहीं होते और महिलाएं भी कानून का गलत इस्तेमाल कर सकती हैं। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि कानून का गलत इस्तेमाल न सिर्फ सिस्टम पर बोझ डालता है, बल्कि सही न्याय पर भी असर डालता है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने इस मामले में पत्नी द्वारा दायर दहेज उत्पीड़न की शिकायत को खारिज कर दिया। बेंच ने कहा कि मुकदमा दायर करने के पीछे महिला का मकसद अपने पति और ससुर से ज्यादा से ज्यादा पैसे ऐंठना था। बेंच ने यह भी कहा कि महिला शादी के दो साल बाद 2011 में अपना ससुराल छोड़कर चली गई थी और कई सालों तक वापस नहीं लौटी। 2016 में उसने अपने पति और ससुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें दहेज उत्पीड़न समेत कई गंभीर आरोप लगाए। कोर्ट ने महिला के व्यवहार को लालची बताया और कहा कि मीडिएशन के रिकॉर्ड से भी साफ पता चलता है कि महिला नई-नई मांगें करती रही, कभी 50 लाख रुपये तो कभी साउथ दिल्ली में फ़्लैट की मांग करती रही। कोर्ट ने साफ किया कि ऐसे मामलों से न सिर्फ पुलिस और अदालतों का समय बर्बाद होता है, बल्कि परिवारों की शांति और न्यायिक प्रक्रिया पर भी असर पड़ता है। बेंच ने आरोपी पति और ससुर को सभी आरोपों से बरी कर दिया। बेंच ने कहा कि इस मामले की सुनवाई के दौरान यह साफ हो गया कि दहेज उत्पीड़न कानून का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था। एक परिवार दहेज उत्पीड़न के मामले की वजह से सालों से पुलिस और अदालतों के चक्कर लगा रहा है। बेंच ने कहा कि अदालतों को कानून के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की ज़रूरत है।

एफएसएल की पुष्टि : सदन की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग व वर्बेटिम पूरी तरह सही : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा के माननीय अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता में स्पष्ट किया कि फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, जो यह निर्णायक रूप से स्थापित करती है कि सदन की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि शब्दशः कार्यवाही (वर्बेटिम रिकॉर्ड) और ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग पूरी तरह एक-दूसरे से मेल खाते हैं। मीडिया के समक्ष एफएसएल रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अध्यक्ष ने बताया कि समानांतर जांच और राज्य एजेंसियों के संभावित दुरुपयोग से जुड़े गंभीर प्रश्नों को देखते हुए इस पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराए जाने पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। अध्यक्ष ने कहा कि एफएसएल रिपोर्ट अपने निष्कर्षों में पूर्णतः स्पष्ट है। वीडियो विश्लेषण प्रणाली के तहत फ्रेम-टू-फ्रेम जांच में ऑडियो या वीडियो में किसी भी प्रकार के परिवर्तन, हेरफेर या छेड़छाड़ के संकेत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट सदन की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग की प्रामाणिकता, मौलिकता और अखंडता की पुष्टि करती है। मामले की पृष्ठभूमि बताते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि विपक्ष की मांग पर इस विषय को विधानसभा में उठाया गया था और सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाए। इसके अनुरूप सभी सामग्री विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत एफएसएल को सौंपी गई, जहां स्थापित मानकों के अनुसार वैज्ञानिक परीक्षण किया गया। अध्यक्ष ने इसके बाद पंजाब में शुरू की गई समानांतर फॉरेंसिक प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधान सभा के सर्वसम्मत निर्णय के बावजूद पंजाब सरकार द्वारा अलग से फॉरेंसिक जांच कराई गई, रिपोर्ट प्राप्त की गई और एफआईआर भी दर्ज कर दी गई, जबकि विधानसभा द्वारा अधिकृत जांच पहले से प्रचलित थी। उन्होंने कहा कि यह घटनाक्रम प्रक्रिया, मंशा और विधिक अनुशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि जालंधर न्यायालय द्वारा पारित आदेश एक अंतरिम आदेश है, न कि तथ्यों या दोष-निर्दोषता का अंतिम निर्धारण। यह आदेश ऐसी फॉरेंसिक रिपोर्ट पर आधारित है, जिसकी प्रक्रिया, मापदंड और चेन ऑफ़कस्टडी की न तो जांच हुई और न ही उसे चुनौती दी गई। उन्होंने कहा कि अंतरिम आदेश को अंतिम निर्णय के रूप में प्रस्तुत करना या राजनीतिक ढाल के रूप में प्रयोग करना उचित नहीं है। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए श्री गुप्ता ने सवाल उठाया कि पंजाब में फॉरेंसिक जांच किस अधिकार के तहत कराई गई, वीडियो का स्रोत क्या था, उसे किसने और कैसे जब्त किया तथा उसकी चेन ऑफ़कस्टडी कैसे सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि इन बिंदुओं का अभाव समानांतर फॉरेंसिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को कमजोर करता है।

आतिशी ने अपमानजनक शब्द नहीं बोले, सरकार राजनीतिक कर रही: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी से जुड़ी वीडियो को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि वीडियो में छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने कहा कि छेड़छाड़ दो तरीकों से हो सकती है। पहला, आवाज में 'गुरु' शब्द डालकर यह दिखाना कि आतिशी ने गुरुजी का अपमान किया है। दूसरा, शोर-शराबे के ऊपर 'गुरु' शब्द लिखकर यह भ्रम पैदा करना कि आतिशी ने ऐसा कहा। भारद्वाज ने दावा किया कि वीडियो में ऐसा कोई शब्द सुनाई ही नहीं देता, बल्कि ऊपर लिखे गए शब्द ही छेड़छाड़ हैं। आप प्रदेश कार्यालय पर शनिवार को पत्रकार वार्ता में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार की फॉरेंसिक रिपोर्ट ने स्पष्ट रूप से यह नहीं बताया कि आतिशी ने 'गुरु' शब्द कहा या नहीं। रिपोर्ट में शब्दशः बयान दर्ज होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जब पंजाब सरकार ने जांच कराई है तो दिल्ली विधानसभा को पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांगनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि वीडियो कपिल मिश्रा के एक्स अकाउंट से सीधे डाउनलोड कर जांच के लिए भेजा गया था, ऐसे में चेन ऑफ कस्टडी का सवाल ही नहीं उठता। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के कुछ नेता जांच पर सवाल उठा रहे हैं कि आतिशी की आवाज का नमूना नहीं लिया गया। लेकिन दिल्ली सरकार ने भी आवाज का नमूना नहीं लिया, तो फिर जांच कैसे की गई। शिकायत विधानसभा के वीडियो को लेकर नहीं थी, बल्कि उस वीडियो को लेकर थी जिसे सोशल मीडिया पर साझा किया गया था। आतिशी ने कोई ऐसा शब्द बोला ही नहीं तो जांच में आएगा कैसे?

उल्लेखनीय है कि, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि शीतकालीन सत्र के दौरान सर्वसम्मति से आतिशी के वीडियो की फॉरेंसिक जांच कराने का निर्णय लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार ने नाटकीय ढंग से जांच पूरी कर ली, रिपोर्ट भी जारी कर दी और एफआईआर भी दर्ज कर दी। गुप्ता ने कहा कि विधानसभा को मिली विस्तृत फॉरेंसिक रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि वीडियो और ऑडियो में कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और यह पूरी तरह मूल है। गुप्ता ने यह भी कहा कि पंजाब सरकार की एफएसएल रिपोर्ट की सीबीआई जांच कराई जाएगी। उन्होंने मीडिया के सामने रिपोर्ट पेश करते हुए दावा किया कि इसमें 'गुरु' शब्द का प्रयोग पाया गया है। हालांकि, इससे पहले पंजाब पुलिस की फॉरेंसिक जांच में वीडियो से छेड़छाड़ की बात कही गई थी।

वो एक्ट्रेस जिसे देख अपने पतियों को छुपा लेती थीं औरतें, गोदभराई से एक दिन पहले खोया था बच्चा...

नई दिल्ली। कुछ कलाकारों के लिए कभी-कभी फिल्म का किरदार ही उनकी पहचान बन जाता है। कुछ छवियां इतनी मजबूत होती हैं कि दर्शक जो स्क्रीन पर देखते हैं, उन्हें लगता है कि असल जिंदगी में भी कलाकार वैसे ही हैं। अब बॉलीवुड के उन कलाकारों को ही ले लीजिए जो फिल्मों में खलनायक बनते थे। असल जिंदगी में उन्हें खूब नफरत झेलनी पड़ी। एक ऐसी ही अदाकारा भी थीं जिन्हें बड़े पर्दे पर अपने वैम्प रोल के लिए खूब शोहरत मिली, लेकिन उन्हें असल जिंदगी में इतनी नफरत मिली कि औरतें उन्हें देखते ही अपने पतियों को छुपा लेती थीं।

यह अदाकारा थीं जंजीर की मोना डार्लिंग बिंदू। बॉलीवुड की सबसे मशहूर खलनायिकों में से एक बिंदू ने चार दशक तक बॉलीवुड पर राज किया। फिल्म में कास्ट करने के लिए उनका रोल नहीं, नाम ही काफी था। वह अपने हर किरदार को इतनी शिद्दत से निभाती थीं कि दर्शक उसे असली समझने लगते थे और इसका असर उनकी रियल लाइफ पर भी पड़ा। औरतें उनसे अपने पतियों को छुपाने लगी थीं।

खुद बिंदू ने इंटरव्यू में इसका खुलासा किया था। उन्होंने कहा था, ''जब मेल फैन्स मुझसे मिलने आते थे तो उनकी पत्नियां उन्हें खींचकर दूर ले जाती थीं। औरतें अपने पतियों को मुझसे छिपाती थीं। उन्हें डर था कि मैं उन पर डोरे डालूंगी। जैसे कि उनके पति बहुत हैंडसम हों। मैं इस पर हंस देती थी। लेकिन आज लोग रील और रियल के बीच का फर्क समझ गए हैं। एक इंसान के तौर पर मैं नरम दिल की हूं। अगर मेरी वजह से किसी को दुख पहुंचता है तो मुझे बुरा लगता है।'' एक्ट्रेस बिंदू ने मात्र 18 साल की उम्र में ही पड़ोसी चंपकलाल से शादी की थी। उन्हें जिंदगी में एक ही मलाल था कि वह कभी मां नहीं बन पाईं। गोद भराई से ठीक एक दिन पहले ही उनका मिसकैरेज हो गया था। इस बारे में एक्ट्रेस ने कहा था, ''1977 में मैं प्रेग्नेंट थी। मैंने शूटिंग भी बंद कर दी थी। लेकिन कुछ कॉम्प्लिकेशन्स आ गए। प्रेग्नेंसी के छह महीने पूरे होने के दिन ही मैंने बच्चा खो दिया। अगले दिन गोद भराई की रस्म होने वाली थी। यह बहुत दुखद था।'' एक्ट्रेस ने टेस्ट ट्यूब बेबी का भी ट्राई किया लेकिन यह भी सक्सेसफुल नहीं हुआ।

मेरी न्यूड चाहिए तुम्हें? 63 साल की हूं मैं - ट्रोलिंग से परेशान हैं सीमा आनंद...

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक नाम बहुत तेजी से वायरल हो रहा है. ये नाम किसी बड़े सेलेब का नहीं बल्कि एक ऐसी महिला का है जिसकी उम्र 63 साल है. ये महिला कोई और नहीं बल्कि सीमा आनंद हैं. सीमा ने कुछ दिन पहले ही शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं पर बात की, जिससे कई लोगों की नजरों में वो आ गई. इसे लेकर सीमा को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. उनके कई फोटो को भी मॉर्फ कर एडिट किया गया है. जिसे लेकर अब सीमा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर खुद ट्रोल्स को जवाब दिया है.

सीमा आनंद ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, इस वीडियो में सीमा अपने ट्रोल्स को करारा जवाब देती नजर आ रही हैं. सीमा ने इस वीडियो में उन लोगों की मानसिकता पर सवाल उठाए हैं, जिन्होंने उनके फोटोज को एडिट कर उन्हें अश्लील बनाया. इस वीडियो कोशेयर करते हुए सीमा ने कैप्शन में लिखा, 'इंटरनेट पर लोगों के बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और कुछ एक्स्ट्रा व्यूज पाने के लिए बनाए गए एडिट किए गए वीडियो को लेकर बहस चल रही है, वहीं असली समस्याएं जारी हैं.'

शेयर किए गए इस वीडियो में सीमा कह रही हैं कि, 'पिछले हफ्ते मेरे कुछ न्यूड फोटोज अकसे अल्टर करके सोशल मीडिया पर डाले गए थे. हां, एफआईआर हो चुकी है, लेकिन फिर भी एक दो के बारे में सोचकर मुझे घृणा होती है. जिस तरह से लोग टूट के पड़े थे ना इन फोटोज पर कमेंट कर रहे थे. लेकिन आज मैं यहां उस फोटो की बात करूंगी जिसके लिए मुझे कहा गया कि ये वाली इतनी बुरी तो नहीं है सीमा जी.' यहां सीमा उस फोटो की बात कर रही हैं जिसमें उनके साथ एक अन्य शख्स है और दोनों के चेहरे आपस में बदल दिए गए गए हैं. इस फोटो के बारे में बात करते हुए सीमा कहा कि ये एक रेपिस्ट मानसिकता है. सीमा का जो फोटो एडिट किया है उसमें उनका चेहरा छोटे कपड़ों वाले शख्स के चेहरे पर लगाया है. जिसे गलत बताते हुए सीमा ने इसे रेपिस्ट मानसिकता कशार कर इसे बहुत गलत तरीका बताया है.

तमन्ना भाटिया के आइटम नंबर 'आज की रात' ने बनाया रिकॉर्ड, यूट्यूब पर पूरे किए 100 करोड़ व्यूज

'स्त्री 2' फिल्म जब रिलीज हुई थी तब सबसे ज्यादा चर्चा में था इस फिल्म का आइटम नंबर 'आज की रात'. इस गाने में तमन्ना भाटिया को देखने वाले बस देखते ही रह गए थे. अब तक भी ये गाना लोगों की प्लेलिस्ट का हिस्सा है. इस गाने को इतना पसंद किया जा रहा है कि अब तक भी लोग इसे लगातार सुन रहे हैं. यूट्यूब पर इस गाने ने रिकॉर्ड तोड़ व्यूज पा लिए हैं. ये खुशी भरी खबर खुद तमन्ना ने अपने फैंस के साथ शेयर की है.

तमन्ना स्टारर इस गाने ने यूट्यूब पर 1 बिलियन यानी कि 100 करोड़ व्यूज पा लिए हैं. तमन्ना भाटिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने शूटिंग के समय की वीडियो, गाने की वीडियो और प्रोडक्शन की वीडियो शेयर की है. इसके साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'पहले व्यू से लेकर 1 बिलियन व्यूज तक. आप सभी के प्यार के लिए शुक्रिया।' इसके साथ उन्होंने हार्ट शेप इमोजी भी लगाई है. ये गाना फिल्म रिलीज के साथ ही खूब पसंद किया गया था. थिएटर में देखने वालों की सीटियां और तालिया रुकने का नाम नहीं ले रही थीं. ऐसे में इस गाने का इतना बड़ा हिट होना तो बनता भी है. बता दें कि ये एक आइटम सॉन्ग है, जो 'स्त्री 2' फिल्म का है. इस फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, पंकज त्रिपाठी और अपारशक्ति खुराना नजर आए थे. तमन्ना स्टारर इस गाने को अपनी आवाज दी है मधुबंति बागची, दिव्य कुमार और सचिन जिगर ने. गाने को सचिन और जिगर ने कम्पोज किया है. गाने के लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं. बात करें तमन्ना भाटिया की तो उन्होंने इसके अलावा और भी कई आइटम सॉन्ग्स किए हैं. उनको स्क्रीन ऑडियंस बहुत पसंद करती है.

'बॉर्डर 2' में सनी देओल के बेटे का रोल निभाएगा ये एक्टर, 16 की उम्र में छोड़ा घर, कई बार हुआ था रिजेक्ट...

सनी देओल की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' इन दिनों चर्चा में है. फिल्म के ट्रेलर ने फैंस की यादें ताजा कर दी हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सनी देओल के ऑनस्क्रीन बेटे गुनीत संधू की हो रही है. 23 जनवरी को रिलीज हो रही इस फिल्म में गुनीत एक अहम भूमिका में नजर आएंगे. आइए जानते हैं कौन हैं गुनीत संधू और कैसे मिला उन्हें ये बड़ा ब्रेक. फिल्म में सनी देओल के ऑनस्क्रीन बेटे का किरदार युवा अभिनेता गुनीत संधू निभा रहे हैं. उनका रोल अंगद सिंह कलेर नाम के एक फौजी का है, जो सेना में शामिल होता है. सनी देओल की पत्नी की भूमिका मोना सिंह कर रही हैं. गुनीत के लिए 'बॉर्डर 2' करियर का बड़ा मौका है. वे मुंबई में सालों की मेहनत के बाद यहां पहुंचे हैं. गुनीत ने सनी देओल की पुरानी फिल्में जैसे 'बॉर्डर' और 'गदर' देखकर बड़े होने का जिक्र किया है. सेट पर सीनियर कलाकारों के साथ काम करके उन्होंने काफी कुछ सीखा.

गुनीत संधू का सफर आसान नहीं रहा. 16 साल की उम्र में 10वीं पास करने के बाद वे आगे पढ़ाई और सपनों को पूरा करने मुंबई चले गए. यहां उन्होंने भावनात्मक, पेशेवर और रचनात्मक चुनौतियों का सामना किया. कई ऑडिशन दिए, एक्टिंग वर्कशॉप किए, लेकिन बार-बार असफलताएं मिलीं. उनका पहला ब्रेक विज्ञापनों से मिला. एक कैंपेन में उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम किया. करीब चार साल तक वे ऐड फिल्मों में व्यस्त रहे, लेकिन वे कुछ अलग करना चाहते थे. इसी दौरान 'बॉर्डर 2' के लिए ऑडिशन दिया और चयन हो गया. यह उनके लिए सपने जैसा पल था. उन्होंने बताया कि चयन की खबर सुनकर उनके पिता की आंखें भर आईं. इससे पहले गुनीत अभिषेक बच्चन की फिल्म 'घूमर' और वेब सीरीज 'जब वी मैच्ड' में छोटे रोल कर चुके हैं, लेकिन ज्यादा ध्यान नहीं मिला. उनके इंस्टाग्राम पर करीब 9,445 फॉलोअर्स हैं.

मुंबई :58 करोड़ के साइबर ठगी के पीड़ित बुजुर्ग को 2 करोड़ रुपये वापस

फरार मास्टरमाइंड की तलाश तेज, 3 लाख का इनाम घोषित...

मुंबई : देश के सबसे बड़े डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी मामले में महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने बड़ी और निर्णायक सफलता हासिल की है। 58.13 करोड़ रुपये की भारी-भरकम ठगी के इस सनसनीखेज मामले में साइबर पुलिस ने अदालत के आदेश के तहत पीड़ित को 2 करोड़ रुपये की पहली किस्त के रूप में वापस दिला दी है। यह कार्रवाई न केवल आर्थिक रिकवरी की दिशा में अहम कदम है, बल्कि साइबर अपराध के खिलाफ सख्त रुख का स्पष्ट संकेत भी मानी जा रही है। इतना ही नहीं, इस ठगी के मास्टरमाइंड के ऊपर 3 लाख का इनाम घोषित किया गया है।

महाराष्ट्र में साइबर सुरक्षा और साइबर अपराधों की नोडल एजेंसी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, महाराष्ट्र साइबर कार्यालय द्वारा इस मामले में भारतीय न्याय संहिता 2023 की गंभीर धाराओं के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66(सी) और 66(डी) के अंतर्गत दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ठगों ने डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर पीड़ित से करोड़ों रुपये की ठगी की। लगातार तकनीकी

विश्लेषण, वित्तीय ट्रैकिंग और बैंकों के साथ गहन समन्वय के चलते महाराष्ट्र साइबर ने जटिल लेन-देन की कड़ियों को जोड़ते हुए ठगी की राशि तक पहुंच बनाई। समय रहते कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अदालत से अनुमति मिलने के बाद 2 करोड़ रुपये की राशि पीड़ित को लौटाई गई। अधिकारियों के अनुसार, यह केवल पहली किस्त है और आगे भी जब्त संपत्तियों के जरिए रकम वापस दिलाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। इस रिकवरी से पीड़ित को आर्थिक राहत के साथ-साथ मानसिक संबल भी मिला है। महाराष्ट्र साइबर अधिकारियों का कहना है कि विभाग की प्राथमिकता केवल अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि साइबर ठगी से वंचित लोगों को जल्द से जल्द न्याय और राहत दिलाना भी है। जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से जुड़ी कई चल-अचल संपत्तियों की पहचान कर उन्हें फ्रीज किया गया है, जिन्हें न्यायालय के आदेश के बाद रिकवर की गई संपत्ति माना जाएगा। इस अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह के मुख्य साजिशकताओं पर शिकंजा और कसा जा रहा है। मामले का प्रमुख आरोपी देवेंद्र सैनी अब भी फरार है, जिसे पूरे नेटवर्क का अहम ऑपरेशनल हैंडलर बताया जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र साइबर ने 3 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है। पुलिस को भरोसा है कि अंतरराज्यीय तालमेल और जनसहयोग से आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। महाराष्ट्र साइबर ने स्पष्ट किया है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई जारी रहेगी। 58 करोड़ रुपये के इस महाघोटाले में पहली किस्त की सफल वापसी यह दशार्ती है कि आधुनिक तकनीक, मजबूत जांच और कानूनी प्रक्रिया के जरिए साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

मुंबईकरों की आवाज उठाएंगे - वर्षा गायकवाड़

मुंबई : महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में कांग्रेस के 24 नगरसेवकों की जीत के बाद मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने अपने नवनिर्वाचित नगरसेवकों का सम्मान किया। इस मौके पर वर्षा ने कहा कि चुनाव में धनबल और दबाव की राजनीति के बावजूद जनता ने कांग्रेस पर भरोसा जताया है, जिसे पूरी तरह सार्थक किया जाएगा। संख्या कम होने के बावजूद कांग्रेस के नगरसेवक बीएमसी में मुंबईकरों के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। वर्षा ने कहा कि मुंबई को बेहतर सड़कें, स्वच्छ पीने का पानी, ट्रैफिक जाम से राहत, बेहतर बेस्ट बस सेवा और प्रदूषणमुक्त शहर बनाना कांग्रेस की प्राथमिकता होगी। साथ ही महानगरपालिका में निजीकरण और भ्रष्टाचार पर भी

कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा में तानाशाही है, जबकि कांग्रेस में लोकतंत्र है और हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। नगरसेवकों को होटल में रखने के सवाल पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हमें अपने नगरसेवकों पर पूरा भरोसा है, यही कारण है कि हमारे नगरसेवक खुली हवा में घूम रहे हैं। ओबीसी बहुजन आघाडी और कांग्रेस में चुनावी गठबंधन इसी बीच कांग्रेस और प्रकाश शेंडगे के नेतृत्व वाली ओबीसी बहुजन आघाड़ी के बीच वैचारिक गठबंधन की घोषणा की गई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बताया कि दोनों दल आगामी जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने भाजपा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि आरक्षण के नाम पर धनगर, ओबीसी, मराठा और आदिवासी समाज को गुमराह किया गया और जातीय तनाव बढ़ाया गया। शेंडगे ने कहा कि ओबीसी आरक्षण पर लगातार हमला हो रहा है और जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर राहुल गांधी की भूमिका से समाज को उम्मीद है।

चुनाव में जीतने वालों के पाला बदलने के बाद राजनीतिक गठबंधनों को लेकर ठाणे जिला कलेक्टर के आदेशों पर रोक

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में जीतने वालों के पाला बदलने के बाद राजनीतिक गठबंधनों को लेकर ठाणे जिला कलेक्टर के आदेशों पर रोक लगा दिया है। अदालत ने चार एनसीपी (अजीत पवार गुट) उम्मीदवारों के दो बार पाला बदलने पर टिप्पणी की। वे पहले बीजेपी-कांग्रेस के 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी(एवीए)' में शामिल हुए थे और बाद में शिवसेना में शामिल हो गए। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की पीठ के समक्ष अंबरनाथ विकास अघाड़ी(एवीए) की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में कलेक्टर के 9 जनवरी के आदेश को चुनौती दी गई। पीठ ने कलेक्टर को इस मामले में संबंधित पार्टियों बीजेपी,

कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना को सुनवाई का मौका देने और उसके बाद आदेश देने का निर्देश दिया है।

सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी किया कि आज ये चार लोग (एनसीपी सदस्य) उनके (एकनाथ शिंदे) साथ हैं, कल वे किसी और के साथ थे। वे इधर-उधर घूम रहे हैं। क्या होगा अगर कल वे किसी और के साथ चले जाएं? पीठ ने सभी संबंधित पक्षों को 28 जनवरी को कलेक्टर को अपनी लिखित दलील देने का निर्देश दिया और उन्हें उसके 21 दिन बाद आदेश पारित करना होगा। पीठ ने कहा कि कलेक्टर का आदेश पारित होने के दो हफ्ते बाद तक लागू नहीं किया जाएगा, जिससे पीड़ित पक्ष कोर्ट का रुख कर सकें। पीठ ने याचिका का निपटारा करते हुए कलेक्टर के 7 और 9 जनवरी के आदेशों पर रोक लगा दिया है। 20 दिसंबर को नगर परिषद चुनावों के बाद बीजेपी की स्थानीय इकाई ने नगर परिषद में सत्ता हासिल करने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ एवीए के बैनर तले हाथ मिला लिया, जिससे उसकी सहयोगी शिवसेना को सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद सत्ता से दूर रहना पड़ा। एवीए में अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी भी शामिल थी, जो राज्य सरकार में बीजेपी की एक और सहयोगी है। बीजेपी ने सीधे चुनाव से नगर परिषद अध्यक्ष का

मुंबई: हमारे पास सिर्फ 6 सीटें कम, मुंबई मेयर चुनाव पर उद्धव की टीम बोली- बस देखते रहिए

मुंबईः मुंबई बीएमसी चुनाव में बीजेपी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला है, जिसके बाद ये साफ है कि मेयर तो महायुति का ही बनेगा. लेकिन उद्धव गुट के संजय राउत का कहना है कि मेयर की रेस अभी खत्म नहीं हुई है. राउत का कहना है कि हमारी संख्या मेयर बनाने के लिए सिर्फ 6 कम है. संजय राउत का कहना है कि सहयोगियों की मदद से उनका पार्षदों का आंकड़ा 108 तक पहुंच गया है, जो बहुमत के आंकड़े से सर्फ 6 कम है. मतलब टक्कर कांटे की है.

मेयर की रेस खत्म नहीं हुई...

संजय राउत का कहना है कि मुकाबला टक्कर का है. मेयर की रेस खत्म नहीं

हुई है. टक्कर 108 बनाम 118 की टक्कर है. राउत ने एनडीटीवी से कहा.' यूबीटी, एमएनएस, कांग्रेस और हमारे सहयोगियों को मिलाकर हमारे पास फिलहाल 108 सीटें हैं. हमारा लक्ष्य 114 है. हम सिर्फ छह सीटें पीछे हैं. बस देखते रहिए, मुंबई की राजनीति में कुछ भी हो सकता है.'' संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी तीखा हमला बोला, जो पहले उनकी पार्टी के सहयोगी थे. बता दें कि राउत ने ये हमला शिंदे सेना पार्षदों को बांद्रा और कल्याण-डोम्बिवली के आलीशान होटलों में ठहराए जाने की खबरों के बाद बोला है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com